

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारहा EXTRAORDINARY

भाग II—संबद्ध 3—उप-संबद्ध (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

नाभिकार से नकाविक PUBLISHED BY AUTHORITY

₩• 60]

नई विक्ती, संगलवार, फरवरी 8, 1983/साध 19, 1904

No. 601

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 8, 1983/MAGHA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पुष्क संख्या की <mark>काली है</mark> किसते कि मह ससग संकासन को कप में **एका** का सको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

उद्योग मंत्रालय

(औश्रोगिक विकास विभाग)

भादग

नई विर्ल्ल, ४ फरवरी, 1983

का अग० 97 (अ) | 18क | आह की आए ए | 83 :-- भारत सरकार के उद्योग मंद्रालय (बीचेंगिक विकास विभाग) के बादेश संव का व्याव 83 (ब्रा) | 18क को बादेश प्रवाद ही बार ए | 78 तार्रेख 9 फरवरी, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त बादेश कहा गया है) अरा मैक्स प्रभूगम मिहस लिमिटेड वेंगान्तुर, केरल नामक मंपूर्ण बीचेंगिक उरक्रम का प्रवन्ध उद्योग (विकास बीर विविध्मन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारां 18क की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन 8 फरवरी, 1983 तक जिममें वह गारीख भी सिम्मिलित है पांच वर्ष की अवधि के लिए ब्रह्ण विधा गया था थोर वेरल स्टेट टेक्मटाइन कारपेरीका लिमिटेड की उक्त बीचेंगिक उपक्रम का प्रबंध बहुण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

धीर केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त उपक्रम 8 धगस्त, 1983 तक, जिसमें वह धारिख भी सिम्मिलित है छह मास की धीर ध्रवधि के लिए केन्स्य स्टेट टेक्सटाइल कार-पोरेशन लिसिटेड के प्रबंध के स्थान बना रहना चाहिए; 1301 GI/82

श्रीत नेर्क्याम सरकार, उद्योग (बिकास श्रीर विनियमन) श्रीधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त माक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निदेश देती है कि उक्त श्रादेश 8 श्रमस्त, 1983 तक की जिसमें वह नारीख भी सम्मिलित है श्रीर श्रवध के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फाइल सं० 3(18)/77-सी यू सी] ए०पी० सरकत, संयक्त संख्व

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 8th February, 1983

S.O. 97(E)/18AA/IDRA/83,—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 83(E)/18AA/IDRA/78 dated the 9th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Prabhuram Mills Limited, Chenganpur, Kerals, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and in-

clusive of the 8th February, 1983, and the Kerala State Textile Corporation Limited was authorised to take-over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the sald industrial undertaking should continue under the management of the Kerala State Textile Corporation Limited for further period of six months upto and inclusive of the 8th August, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 8th August, 1983

[File No. 3(18)/77-CUS] A. P. SARWAN, Jt. Secy.